बालमन

Powered by Teachers of Bihar

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०–8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

किस्मत के पन्ने वही पलटते हैं जो मेहनत करते है और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर गतिशील होते है। आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है। धीरे -धीरे आपकी प्रतिभा मे भी निखार आ रहा है।

बच्चो !दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)
मो . 9431680675

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

सहयोगी सदस्य

माह : दिसम्बर

बालमन चांद प्रधान संपादक : प्रमोद कुमार "निराला"
(कन्या मध्य विद्यालय चांद)

बालमन कुदरा प्रधान संपादक : कमलेश कुमार
(U.H.S. हरदासपुर , कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर: राजेश कुमार सिंह
(महाबल भृंगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगांवा बहेरा ,भभुआ)

दर्शनीय स्थल सह रोचक गणित : कुमार राकेश मणि
(UHS कोटा, नुआंव)

शिक्षण अधिगम सामग्री : अवधेश राम
(UMS बहुआरा, भभुआ)

Teachers of Bihar

अनमोल विचार

बालमन

जब हौसले बुलंद हो तो पहाड़

भी एक मिट्टी का ढेर लगता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज

(मराठा साम्राज्य के महान शासक)

जन्म: 19 फरवरी 1630 मृत्यु: 03 अप्रैल 1680

राकेश कुमार

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हसीं दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्र धनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

अप्रैल 2024

भलाई

एक घर में दो भाई रहते थे। छोटी उम्र में ही उनके माता और पिता की मृत्यु हो गई थी। इस भरी विपत्ति को सहते हुए वे अपने खेतों में बड़ी मेहनत से काम करते थे। कुछ वर्षों के बाद बड़े भाई की शादी हो गई और फिर दो बच्चों के साथ उसका चार लोगों का परिवार हो गया। चूंकि दूसरे बेटे की अभी शादी नहीं हुई थी फिर भी उपज को दो हिस्से में बांट दिया जाता था। एक दिन जब छोटा वाला भाई खेत में काम कर रहा था तो उसे विचार आया कि यह सही नहीं है कि हम बराबर बँटवारा करें। मैं अकेला हूँ और मेरी ज़रूरत भी बहुत अधिक नहीं हैं। मेरे भाई का परिवार बड़ा है, एवं उसकी ज़रूरत भी अधिक हैं। अपने दिमाग में इसी विचार के साथ वह रात अपने यहाँ से अनाज का एक बोरा ले जाकर भाई के खेत में चुपचाप रखने लगा। इसी दौरान बड़े भाई ने भी सोचा, कि यह सही नहीं है कि हम हर चीज का बराबर बँटवारा करें। मेरे पास मेरा ध्यान रखने के लिए पत्नी और बच्चे हैं लेकिन मेरे भाई का तो कोई परिवार नहीं है। अत: भविष्य में उसकी कौन देखभाल करेगा ? इसलिए मुझे उसे अधिक देना चाहिए।इस विचार के साथ वह हर दिन एक अनाज का बोरा लेता और अपने भाई के खेत में रख देता। यह सिलसिला बहुत दिनों तक चलता रहा, किन्तु दोनों भाई हैरान थे कि उनका अनाज कम क्यूँ नहीं हो रहा। एक दिन एक – दूसरे के खेतों में जाते समय उनकी मुलाकात हो गई। तब उन्हें पता चला कि आखिर इतने समय से क्या हो रहा था? वे ख़ुशी से एक – दूसरे के गले लगाकर रोने लगे।

विनम्र भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री सत्यनारायण साह

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सबसे महत्वपूर्ण,अभिभावक सह मार्गदर्शक के आकस्मिक निधन पर

शोकाकुल टीचर्स ऑफ बिहार परिवार

दिनांक 26 अप्रैल 2024

विनम्र श्रद्धांजलि

राकेश कुमार

आपका जाना!

(सत्यनारायण साह)

मृत्यु- 26 अप्रैल 2024

हम चले जाते हैं लेकिन हमारे कर्म हमारी कीर्ति जीवित रहती है l आंखों में एक सपना था बिहार के शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा कार्य करेंगे की बिहार के शिक्षक खुद को गौरवान्वित महसूस करेंगे उनके कार्यो एवं कर्मठता को एक पहचान देंगे आधुनिक तकनीक से परिचित करवाएंगे। इस सपना इस संकल्प को मूर्त रूप देते हुए सत्यनारायण सर ने टीचर्स ऑफ बिहार (सोशल मीडिया ग्रुप) को शुरू करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। हम सभी जानते हैं कि दुनिया का एक कटु सत्य है कि जो आया है उसे जाना है इस कटु सत्य को परिलक्षित होते हुए देखा समस्त टीचर्स ऑफ बिहार ने सत्यनारायण सर हमारे बीच नहीं रहे! एक ऐसा सत्य जिस पर कोई यकीन करना नहीं चाह रहा था, लेकिन कहा जाता है न कि सत्य तो सत्य ही होता है और हम सभी ने अपने हृदय को मजबूत करते हुए इस सत्य को स्वीकार किया कि सर हमारे बीच नहीं रहें। उनका जाना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है, क्योंकि वे हमारे मार्गदर्शक, अभिभावक और पथप्रदर्शक की भूमिका में रहते थे जिसकी भरपाई मुश्किल है। उनका नहीं रहना हम सभी के लिए एक चुनौती है, लेकिन सर हम सभी टीचर्स ऑफ बिहार आपको यकीन दिलाते हैं कि आप हम सभी के हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे और आपके द्वारा देखे गए सपने के लिए हमलोग दिन-रात मेहनत करेंगे और आपको सच्ची श्रद्धांजलि देंगे! 🙏 🙏

नहीं रहे उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामपुर यादव टोला के प्रधानाध्यापक सत्यनारायण बाबू

दैनिक समाज जागरण अररिया ।

उमवि रामपुर यादव टोला, प्रखंड अररिया के प्रधानाध्यापक सत्यनारायण साह हमारे बीच नहीं रहे। सत्यनारायण बाबू के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर जहां शिक्षक समुदाय आहत दिखे वहीं टीचर्स ऑफ बिहार के साइट पर शिक्षकों नई उनके निधन अपूरणीय क्षति बताया। टी ओ बी के प्रवक्ता रंजेश कुमार ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शान्ति तथा इस दुःख की घड़ी में परिजनों को सहन शक्ति प्रदान करें की प्रार्थना किया।ॐ शांति।

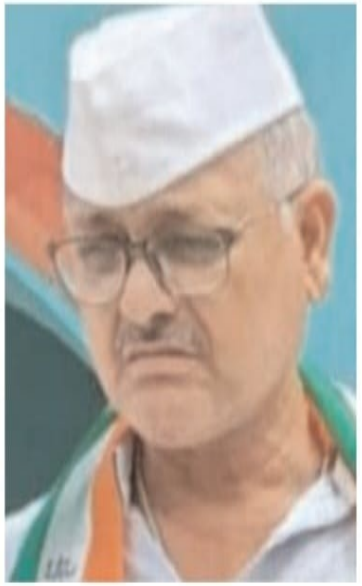

पद्य पंकज

"

कर्णधार तू बना तो हाथ में लगाम ले।
क्रांति को सफल बना नसीब का न नाम ले।
भेद सर उठा रहा, मनुष्य को मिटा रहा
गिर रहा समाज, आज बाजुओं में थाम ले।
त्याग का न दाम ले,
दे बदल नसीब तो गरीब का सलाम ले।

गोपाल सिंह नेपाली

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

बालमन

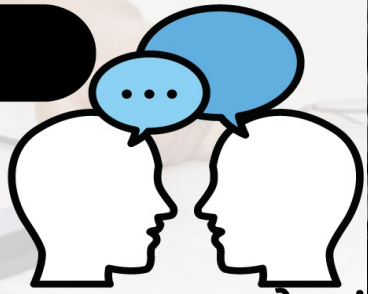

मन की बात

बाल मन कैमूर पत्रिका छात्र/ छात्राओं को जागरूक बनाने एवं उनकी प्रतिभा निखारने हेतु उत्कृष्ट पत्रिका है। यह पत्रिका छात्र/छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी काफी उपयोगी होती है। यह पत्रिका हर माह प्रकाशित होती है। जिसमें शिक्षकों एवं छात्रों के प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन होता है। इसमें कहानी, कविता , पेंटिंग, इत्यादि स्वयं की रचना होती है। जहां तक मुझे लगता है, यह पत्रिका शिक्षकों एवं छात्रों के बीच स्नेह का डोर बनाने एवं उनकी प्रतिभा निखारने की कार्य कर रही है। इसके माध्यम से एक-एक बच्चों की प्रतिभा को परख कर उनके प्रतिभा का सम्मान एवं इसके उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण भी किया जाता है। इस पत्रिका के उद्देश्य की पूर्ति हेतु इसमें लगे सभी शिक्षकों, छात्र/ छात्राओं, अभिभावकों एवं पत्रिका के प्रधान संपादक का आभार व्यक्त करता हूं ।

शशिकांत वर्मा(शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय रामपुर
(भभुआ)कैमूर

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

आप तैयार है न.....

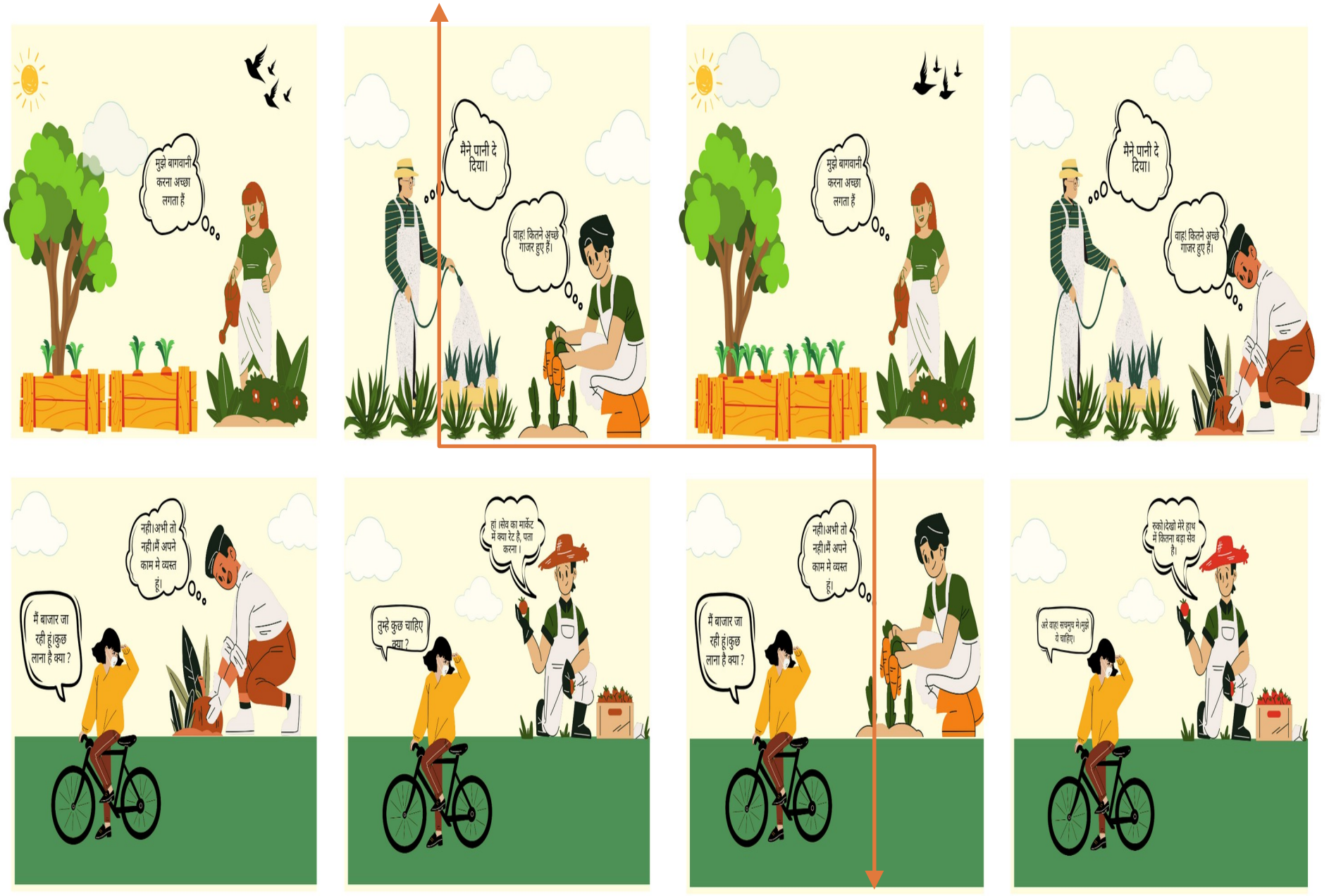

अमरेन्द्र कुमार

विश्व के धरोहर

कालीघाट शक्तिपीठ

कालीघाट शक्तिपीठ (बांग्ला: कालीघाट मन्दिर) कोलकाता का एक क्षेत्र है, जो अपने काली माता के मंदिर के लिये प्रसिद्ध है। इस शक्तिपीठ में स्थित प्रतिमा की प्रतिष्ठा कामदेव ब्रह्मचारी (सन्यासपूर्व नाम जिया गंगोपाध्याय) ने की थी। सती के शरीर के अंग प्रत्यंग जहाँ भी गिरे वहाँ शक्तिपीठ बन गये। ब्रह्म रंध्र गिरने से हिंगलाज,शीश गिरने से शाकम्भरी देवी,विंध्यवासिनी,पुर्णगिरी,ज्वालामुखी,महाकाली आदि शक्तिपीठ बन गये। माँ सती के दाये पैर की कुछ अंगुलिया इसी जगह गिरी थी। आज यह जगह काली भक्तो के लिए सबसे बड़ा मंदिर है। माँ की प्रतिमा में जिव्हा सोने की है जो की बाहर तक निकली हुई है काली मंदिर में देवी काली के प्रचंड रूप की प्रतिमा स्थापित है। इस प्रतिमा में देवी काली भगवान शिव की छाती पर पैर रखी हुई है। उनके गले में नरमुंडो की माला है उनके हाथ में कुल्हाड़ी और कुछ नरमुंड है उनकी कमर में भी कुछ नरमुंड बंधे हुए है उनकी जीब निकली हुई है और उनकी जीब में से कुछ रक्त की बूंदे भी टपक रही है। कुछ अनुश्रुतियों के अनुसार इस मूर्ति के पीछे कुछ अनुश्रुतिया भी प्रचलित है। एक के अनुसार देवी किसी बात पर गुस्सा हो गयी थी उसके बाद उन्होंने नरसंघार करना शुरू कर दिया। उनके मार्ग में जो भी आता वो मारा जाता उनके क्रोध को शांत करने के लिए भगवान शिव उनके रास्ते में लेट गए। देवी ने गुस्से में उनकी छाती पर भी पैर रख दिया उसी समय उन्होंने भगवान शिव को पहचान लिया और उन्होंने फिर नरसंघार बंद कर दिया।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

दुबई में हाल ही में आई भारी बारिश और बाढ़ का कारण नकली बारिश है। दरअसल, दुबई में क्लाउड सीडिंग (Cloud Seeding) तकनीक से नकली बारिश करवाने की कोशिश की गई जिसके बाद यहां जलप्रलय आ गया।

ToB बालमन कलाकार

भाग - 1

प्राथमिक विद्यालय
फुलवारीशरीफ,पटना

मध्य विद्यालय जगदीशपुर
भागलपुर।

मध्य विद्यालय भैस दीरा, बरारी
कटिहार

संतोष कुमार
सरौनी कला
मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

UHS BHARARI, CHAND, KAIMUR

ToB बालमन कलाकार भाग 2

कीमायरा
नई दिल्ली

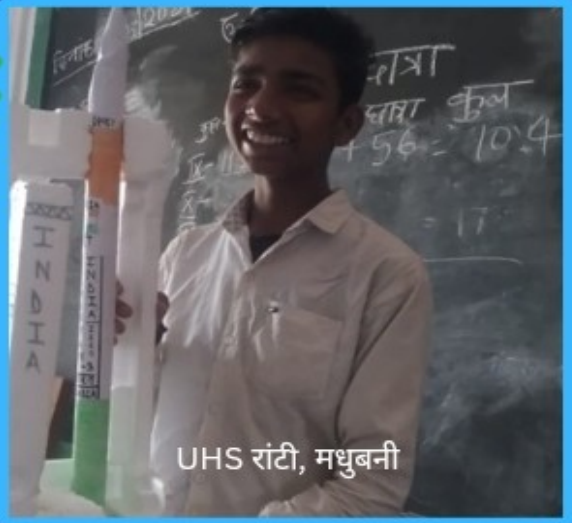

UHS रांटी, मधुबनी

U M S lohadan
Chand

न्यू प्राथमिक विद्यालय तरहनी, कुदरा
कैमूर

ToB बालमन कलाकार
भाग 3

मध्य विद्यालय भैंस दीरा, बरारी, कटिहार

UHS रांटी, मधुबनी

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

ToB बालमन कलाकार भाग 4

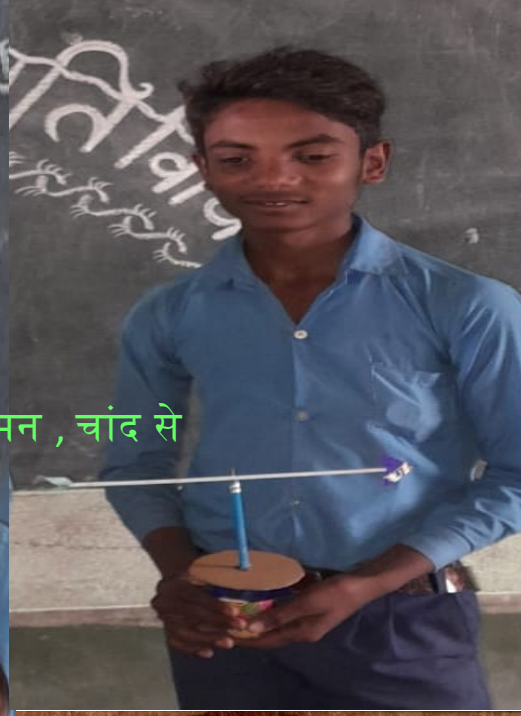

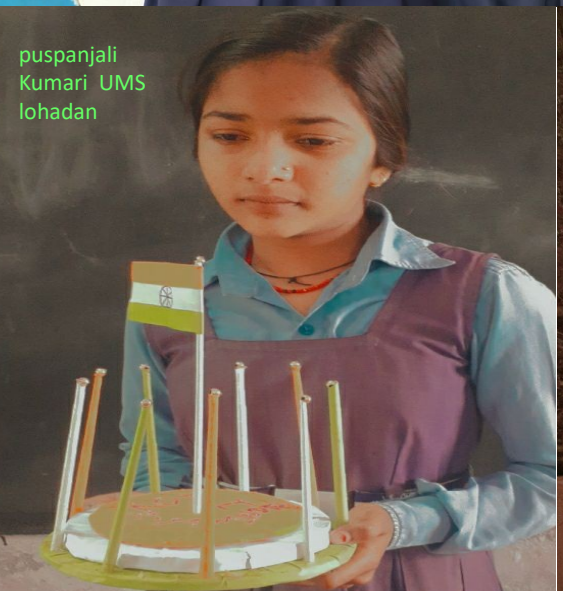

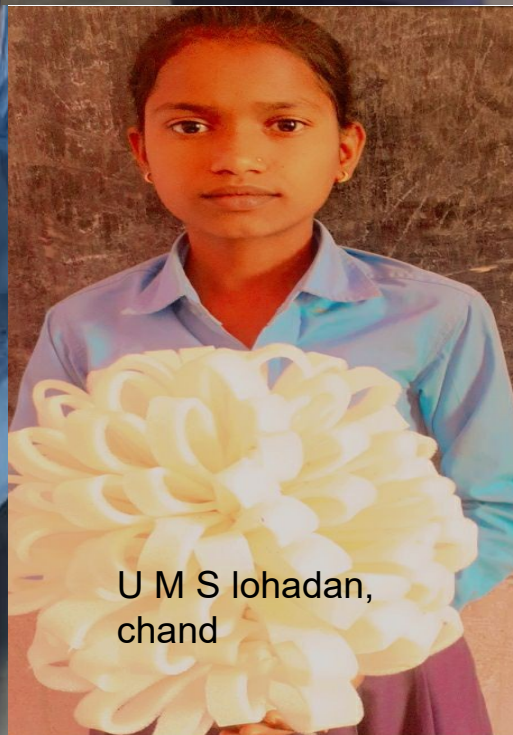

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

संतरे, अंगूर, नींबू व अमरूद में विटामिन सी की अच्छी मात्रा में पाई जाती है। इनका सेवन प्रतिदिन करना चाहिए।

UHS रांटी, मधुबनी

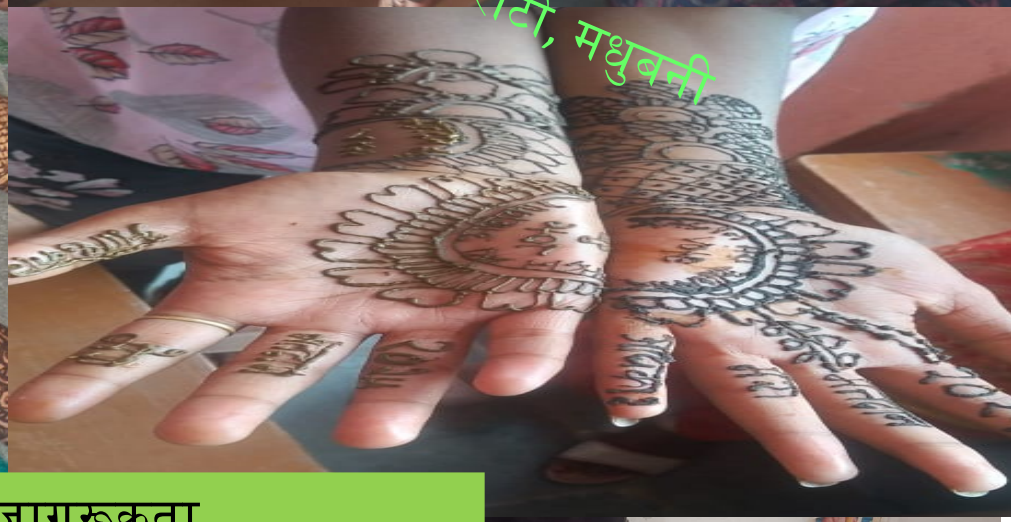

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

मेहंदी प्रतियोगिता से जागरूकता

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

अप्रैल 2024

1

एक औसत व्यक्ति का वजन 1 लाख 44 हजार डाक टिकटों के वजन के बराबर होता है।

2

घोंघा तीन साल तक सो सकता है।

3

हाथी के नवजात शिशु का वजन 100 से 120 किलोग्राम होता है।

4

नीली व्हेल की सीटी की आवाज सभी जानवरों में सबसे तेज होती है।

5

पर्थ ऑस्ट्रेलिया का ऐसा शहर है जहां सबसे तेज हवा बहती है।

स्रोत: सोशल मीडिया

ToB बालमन

अप्रैल 2024

जरा मुस्कुरा भी दीजिए....

कंजूस बाप (बेटे से)- मेरी ख्वाहिश है कि तू बड़ा होकर वकील बने

बेटा- क्यों?

कंजूस बाप- ताकि मेरा काला कोट तुम्हारे काम आ जाए ।

टीचर (चिंटू से)- होमवर्क क्यों नहीं किया?

चिंटू- मैम, मैं जब पढ़ने बैठा तो लाइट चली गई

टीचर- तो लाइट आने के बाद क्यों नहीं की पढ़ाई?

चिंटू- बाद में मैंनें इस डर से पढ़ने नही बैठा कि कहीं मेरी वजह से फिर से लाइट न चली जाए ।

ToB बालमन जानकारी

अप्रैल 2024

निर्वाचन आयोग

भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) को चुनाव आयोग के नाम से भी जानते हैं।एक स्वायत्त एवं अर्ध-न्यायिक संस्थान है जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से विभिन्न से भारत के प्रातिनिधिक संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। इसके द्वारा ही वर्तमान में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं का संचालन किया जाता है।भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गयी थी।

पृष्ठभूमि

- भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों से संबंधित हैं जिसमे चुनावों के संचालन के लिए एक आयोग की स्थापना करने की बात कही गई हैं।
- भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को संविधान के अनुसार की गयी थी।
- संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 तक चुनाव आयोग और सदस्यों की शक्तियों,कार्य,कार्यकाल, पात्रता आदि से संबंधित हैं।

संविधान में चुनावों से संबंधित अनुच्छेद

324	चुनाव आयोग में चुनावों के लिये निहित दायित्व: अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण।
325	धर्म, जाति या लिंग के आधार पर किसी भी व्यक्ति विशेष को मतदाता सूची में शामिल न करने और इनके आधार पर मतदान के लिये अयोग्य नहीं ठहराने का प्रावधान।
326	लोकसभा एवं प्रत्येक राज्य की विधानसभा के लिये निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होगा।
327	विधायिका द्वारा चुनाव के संबंध में संसद में कानून बनाने की शक्ति।
328	किसी राज्य के विधानमंडल को इसके चुनाव के लिये कानून बनाने की शक्ति।
329	चुनावी मामलों में अदालतों द्वारा हस्तक्षेप करने के लिये बार (BAR)

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन पत्रिका

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

आस्मीन खातुन ,वर्ग 7
UHS SALTHUA,
Kaimur

सोना तिवारी
प्राथमिक विद्यालय
मोहम्मदपुर
मोहनियां, कैमूर

समीरा, क्लास 8 ,नेल्लोर
आंध्र प्रदेश

सौजन्य से: बालमंच सोनभद्र एक्सप्रेस

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

मध्य विद्यालय हनुमान नगर
बेलदौर ,खगड़िया

गरिमा
बैंगलोर
(कर्नाटक)

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

परिधि कुमारी
वर्ग 5
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 3

पूजा कुमारी,मध्य विद्यालय सरौनी कला, मधेपुरा द्वारा अपने माता पिता की बनाई गई तस्वीर

रूपा कुमारी
सरौनी कला, मधेपुरा

ससीमा खातून
वर्ग 5
UHS कोटा, नुआंव , कैमूर

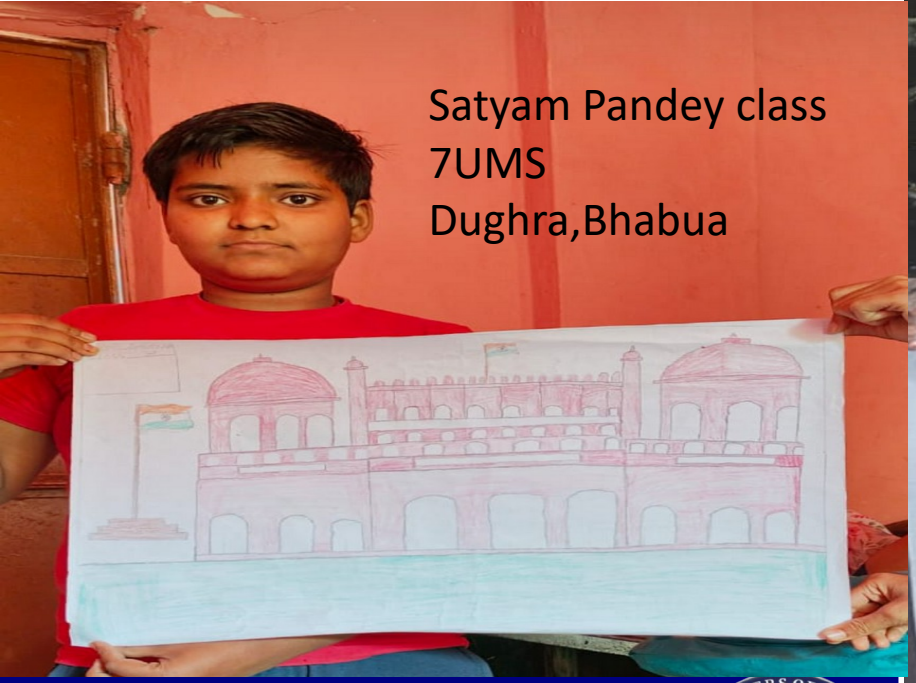

ToB बालमन आपके पेटिंग भाग 4

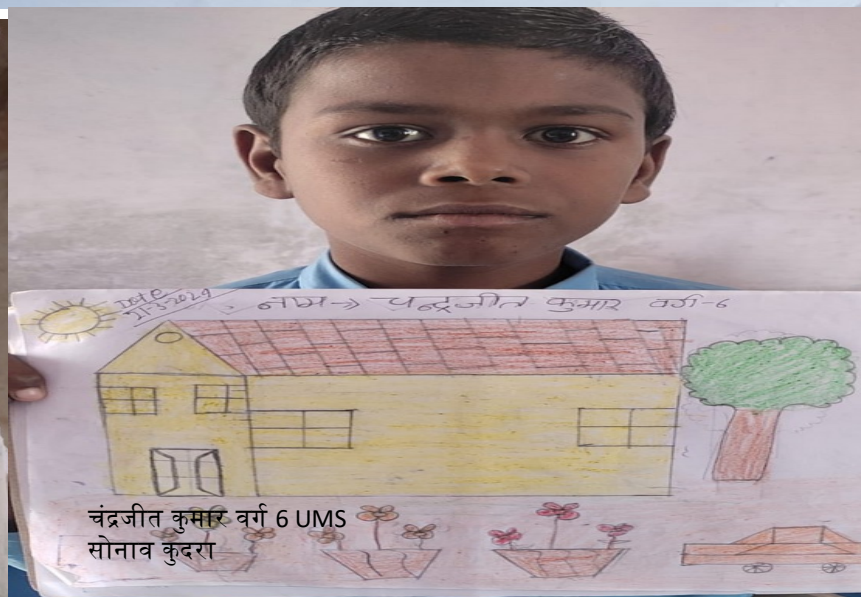

परिधि और खुशी
वर्ग 6
UMS सिलौटा, भभुआ

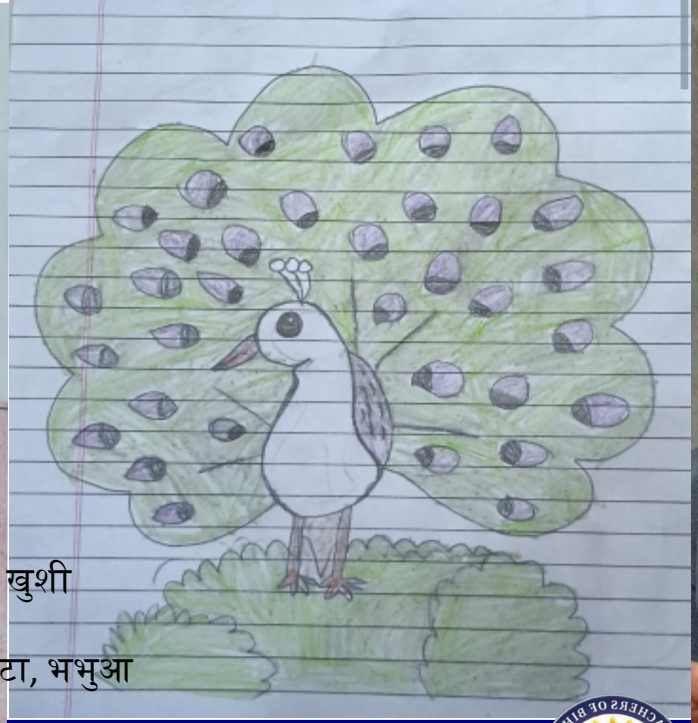

मध्य विद्यालय पाढ़ी विवेक शर्मा
कक्षा 7

Ums jigina
Chand, chand

ToB बालमन आपके पेंटिंग
भाग 5

UMS बड़हरिया

सौजन्य से : बालमन चांद टीम

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार

अप्रैल 2024

1

आसमान मे आग का गोला।
जो न जाने वो है भोला।।
पूरब से पश्चिम को जाए
ठंडी में सबके मन भाए।।

2

पानी को नीचे से लेकर
ठंडी हवा को मैं बहाता हूं।
गर्मी में जो मेरे सामने बैठे
पसीना को सुखाता हूं।।

3

कटोरे पर कटोरा
बेटा बाप से भी गोरा।
जल्दी से बतलाओ
देर करो ना थोड़ा।।

4

वह कौन सा फूल है ..
जिसमे ना कोई रंग है
ना महक।

उत्तर 1-सूर्य, 2- कूलर, 3-नारियल 4- कागज फूल

ToB बालमन चांद द्वारा सम्मान समारोह

कहानी : सच्चा न्याय

एक बार एक राजा शिकार खेलने गया उसका तीर लगने से जंगलवासियों में से किसी का बच्चा मर गया । बच्चे की माँ विधवा थी और यह बच्चा उसका एकमात्र सहारा था । रोती-पीटती विधवा न्यायधीश के पास पहुंची और उससे फरियाद की ।

जब न्यायधीश को पता चला कि बालक राजा के तीर से मरा है, तो उनकी समझ में नहीं आया कि वह इंसाफ कैसे करें, अगर उसने विधवा के हक में फैसला दिया तो राजा को सजा सुनानी होगी यदि विधवा के साथ अन्याय किया, तो ईश्वर को क्या जवाब देगा।

काफी सोच विचार कर वह फरियाद सुनने को राजी हुआ । उसने विधवा को दूसरे दिन अदालत में बुलवाया।विधवा की फरियाद सुनने के पश्चात राजा को भी अदालत में बुलवाना आवश्यक था, वह राजा के पास यह सूचना किसी दूत से भेज सकता था उसने अपने एक सहायक को राजा के पास भेजा कि वह अदालत में हाजिर हो।

सहायक किसी प्रकार हिम्मत करके न्यायधीश का संदेश राजा को सुनाने पहुंचा । वह हाथ जोड़कर राजा के समक्ष उपस्थित हुआ तथा न्यायधीश का संदेश सुनाया।

राजा ने कहा कि वह दूसरे दिन अदालत में अवश्य हाजिर होगा।

दूसरे दिन सुबह राजा न्यायधीश की अदालत में हाजिर हुआ वह जाते समय कुछ सोचकर अपने वस्त्रों के नीचे तलवार छिपाकर ले गया।

न्यायधीश की अदालत भीड़ से खचा-खच भरी हुयी थी । इस फैसले को सुनने के लिए दूर-दूर से लोग आये थे । राजा अदालत में आया तो प्रत्येक व्यक्ति उसके सम्मान में खड़ा हो गया लेकिन न्यायधीश अपने स्थान पर बैठा रहा वह खड़ा नहीं हुआ । उसने विधवा को आवाज लगायी तो वह अंदर आयी । न्यायधीश ने उससे फरियाद करने को कहा।

विधवा ने सबके सामने अपने बेटे के मरने की कहानी कह सुनायी।

अब न्यायधीश ने राजा से कहा – “ महाराज! इस विधवा का बेटा आपके तीर से मारा गया है आप पर उसको मारने का आरोप है । इस विधवा की यह हानि किसी भी स्थिति में पूरी नहीं हो सकती । मैं आदेश देता हूं कि किसी भी हालत में इसका नुकसान पूरा करें।

राजा ने उस विधवा से क्षमा मांगी और कहा – “ मैं तुम्हारे इस नुकसान को पूरा नहीं कर सकता; किंतु इसकी भरपाई के लिए मैं पुत्र के रूप में तुम्हारी सेवा करने का वचन देता हूं । तथा पूरी उम्र तुम्हारे परिवार का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी लेता हूँ जिससे तुम्हारी जिंदगी सुख-चैन से कट सके।”

विधवा राजी हो गयी । न्यायाधीश अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ तथा उसने अपनी जगह राजा के लिए खाली कर दी।

राजा बोला – “ न्यायाधीश जी! अगर आप ने फैसला करने में मेरा पक्ष लिया होता तो मैं तलवार से आपकी गर्दन काट देता कहकर उसने अपने वस्त्रों में छिपी तलवार बाहर निकालकर सब को दिखाई।”

न्यायाधीश सिर झुकाकर बोला – “ महाराज! अगर आप ने मेरा आदेश मानने में जरा भी टाल-मटोल की होती तो मैं हंटर से आप की खाल उधड़वा देता।”

इतना कहकर उसने भी अपने वस्त्रों के अंदर से एक चमड़े का हंटर निकालकर सामने रख दिया।

राजा न्यायधीश की बात से बड़ा प्रसन्न हुआ और उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया।

बच्चों कहानी के माध्यम से राजा और न्यायाधीश का चरित्र कितना निष्पक्ष दिखाया गया है। समय आज का हो या कल का या फिर कल का था ... मनुष्य का चरित्र हमेशा सीधा व सरल ही होना चाहिए ।

सोशल मीडिया से

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

सौजन्य से : संतोष कुमार (युवा कलाकार)
सरौनी कला, मधेपुरा

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

ToB बालमन क्विज

अप्रैल 2024

1

पृथ्वी दिवस कब मनाया जाता है?

A. 22 अप्रैल B. 14 अक्टूबर

C. 08 मार्च D. 30 जनवरी

2

शुद्ध जल का pH मान कितना होता हैं ?

A. 8 B. 10

C. 7 D. 13

3

वर्ष 2024 में भारत मे कौन सा चुनाव हो रहा है

A.विधान सभा B. विधान परिषद

C. राज्य सभा D. लोक सभा

4

कोणार्क सूर्य मंदिरकिस राज्य में स्थित हैं?

A.उड़ीसा B. कर्नाटक

C.गुजरात D. उत्तर प्रदेश

5

जलिया वाला बाग हत्या कांड कब हुआ था?

A.13 मार्च 1919 B.13अप्रैल 1919

C. 22 मार्च 1917 D. 17 अप्रैल 1921

सही उत्तर: 1.A ,2.C ,3.D,4.A,5.B

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

Rakesh Kumar
Middle School Baluia Maner (Patna)

माह: अप्रैल

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098

प्रथम शनिवार दिनांक 06.04.2024	फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन
द्वितीय शनिवार दिनांक 13.04.2024	विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन / पुनर्गठन
तृतीय शनिवार दिनांक 20.04.2024	हजार्ड हंट
चतुर्थ शनिवार दिनांक 27.04.2024	अगलगी से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

सुरक्षित शनिवार

UHS सलथुआ, कुदरा

UHS महुवारी, भभुआ

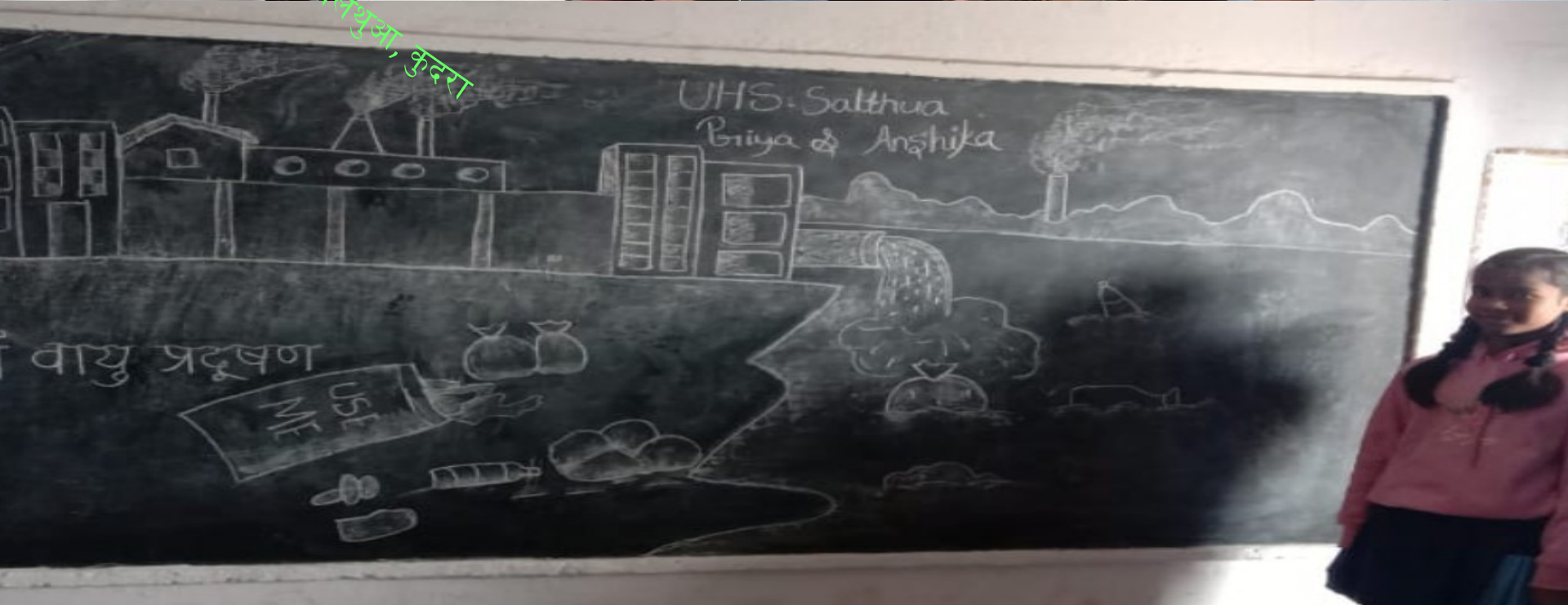

ToB बालमन गीत

अप्रैल 2024

पा पा

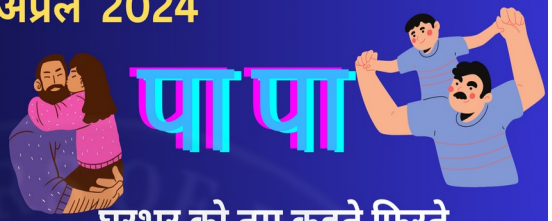

थाम तुम्हारी उँगली पापा!
चलना सीखा डगर-डगर।
और तुम्हारे कंधों पर चढ़
देखा मैंने गाँव-शहर।

अपनी क्षमता झोंकी तुमने
मुझको सतत पढ़ाने को
सभ्य आचरण भी सिखलाया
लोगों से बतियाने को
रहे पसीना सदा बहाते
थके बिना तुम पहर-पहर।
थाम तुम्हारी उँगली पापा!
चलना सीखा डगर-डगर।

सबकी चिंता अपने माथे
लेकर के मुस्काते थे ,
गलती होने पर भी सबको
कितना कुछ समझाते थे ।
अपना-अपना काम करो सब
क्यों करते हो इधर-उधर।
थाम तुम्हारी उँगली पापा!
चलना सीखा डगर-डगर।

घरभर को तुम कहते फिरते
सूरज-सा ही चमको तुम ,
महापुरुष की गाथा पढ़कर
उन-सा ही फिर दमको तुम ।
अच्छी बातें सिखलाने को
दिखलाये तुम नदी- नहर।
थाम तुम्हारी उँगली पापा!
चलना सीखा डगर-डगर।

पहुँचें जहाँ तलक पापा हम ,
त्याग तुम्हारा ही तो है,
मेरी साँसों में बसता
अनुराग तुम्हारा ही तो है।
पास-पास देखूं तुमको
मेरी आंखें हों जिधर-जिधर।
थाम तुम्हारी उँगली पापा!
चलना सीखा डगर-डगर।

मुकेश कुमार मृदुल
विद्यालय अध्यापक (11-12)
उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा
पूसा, समस्तीपुर, बिहार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

अप्रैल 2024

सबला

बेटी पढाऊ बेटी बचाऊ
नहि बेटीकें अबला बनाऊ

दू कुलक दीप जरौती
ई बुचिया
अपन मातुपिता सासुरक
सजौती ई दुनिया

नहि बनाऊ देवी
नहि बनाऊ दुर्गा
हटाबय दियौ हुनका
अपन बाटक रोड़ा

नहि करतीह अनाचार
नहि सहतीह अत्याचार
जीवि जयतीह त देखेतीह
कमाल
उड़ा फाइटर विमान करतीह
धमाल

पढि जायत मुनिया
सजाओत अपन दुनिया
नहि लूटि पाओत कियो
ओकरा बुझि टुनमुनिया

कहय छथि मोनक बात चंदना
धिया संओ घर आंगन सजाऊ

चंदना दत्त (शिक्षिका)
रांटी ,मधुबनी
बिहार

बेटी पढाऊ बेटी बचाऊ
नहि बेटी के अबला बनाऊ

11 April
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Eid
MUBARAK
Punita Kumari
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

अप्रैल 2024

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: बख्तियार खान का मकबरा

कैमूर जिले के भभुआ मुख्यालय के पश्चिम से 11 किलोमीटर की दूरी पर चैनपुर स्थित है। यहां बख्तियार खान का स्मारक है। कहा जाता है कि बख्तियार खान का विवाह शेरशाह की पुत्री से हुआ था। चैनपुर स्थित किले का निर्माण सूरी अथवा अकबर काल के दौरान हुआ था।

जानकारों की माने तो मकबरा मुख्यत: अष्टकोणीय है। जिसका बाहरी व्यास लगभग 42 मीटर है। बरामदा के छत पर 24 छोटे-छोटे गुंबद हैं। जिसमें अष्टकोण के प्रत्येक भाग में तीन-तीन गुंबद अष्टकोण के कोने पर स्थित हैं और मुख्य गुंबद भव्य व सुंदर गुम्बदीय स्तंभ से सुसज्जित है। मकबरे के शिखर को सजाने के लिए भी समरूप गुंबद का प्रयोग किया गया है। गुम्बदीय कक्ष की आंतरिक माप लगभग सात मीटर है।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

ToB बालमन कविता

जीवन है कठिनाई का

सफलता का आसान कोई मार्ग नहीं ,
मार्ग आसान है सिर्फ बुराई का।।
आसानी से कुछ हासिल नहीं होता,
ये जीवन है कठिनाई का ।।

सब दौड रहे है चाहकर ये सिर्फ,
अपनों के लिए कमाई का।
क्या हुआ अब इस धरती पर,
बने आपस में जो संबंध लड़ाई का ।

काँटे आएंगे इस जीवन में,
फिर भी गुलाब की तरह मुस्कुराना है।
जो बीत गया अब उसे याद करके,
तुम्हे अब नहीं पछताना हैं ।

जीवन मिला है इस धरती पर,
कुछ करके तुझे दिखाने का।
जो हो जाए कुछ भी मुझको ,
अब वक्त है पत्थर से टकराने का।

भेद-भाव का वहम न पालो,
पालो सिर्फ नाता भाई-भाई का ।
सफलता का आसान कोई मार्ग नहीं,
मार्ग आसान है सिर्फ बुराई का।

अमृत राज सिंह
वर्ग 8
UMS सिलौटा , भभुआ, कैमूर

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम

लू से सावधानी बचाएं सबकी जान

प्रदेशवासियों से अपील है कि आप लू के प्रभाव को गंभीरता से लें, इससे बचाव हेतु आवश्यक सावधानी रखें और सुरक्षित रहें...

क्या करें :

- घर के बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पियें।
- सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी/कपड़ा/छतरी का उपयोग करें।
- पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय पदार्थ जैसे - लस्सी, नींबू पानी, आम का पना इत्यादि का सेवन करें।
- भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें, धूप में अधिक न निकलें।

क्या न करें :

- धूप में खाली पेट न निकलें। शरीर में पानी की कमी न होने दें।
- मिर्च मसाले युक्त एवं बासी भोजन न करें।
- धूप में अधिक न निकलें। कूलर या ए०सी० से धूप में एकदम न निकलें।

लू के लक्षण :

- सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना एवं बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना।

लू के लक्षण होने पर ध्यान रखें :

- व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटावें। व्यक्ति के कपड़े ढीलें करें।
- उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलायें।
- तापमान घटाने के लिये ठण्डे पानी की पट्टियाँ रखें।
- प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें।

स्वास्थ्य विभाग

इस गर्मी हम मिलकर देंगे

स्वास्थ्य विभाग

चमकी की धमकी

ये 3 धमकियाँ याद रखो !

1 खिलाओ

बच्चे को रात में सोने से पहले भरपेट खाना ज़रूर खिलायें। यदि संभव हो तो कुछ मीठा भी खिलायें।

2 जगाओ

सुबह उठते ही बच्चों को भी जगाए देखो कहीं बेहोशी या चमकी तो नहीं

3 अस्पताल ले जाओ

बेहोशी या चमकी देखते ही आशा को सूचित कर तुरंत निःशुल्क 102 एम्बुलेंस या उपलब्ध वाहन से नजदीकी स्वस्थ केंद्र ले जायें

गर्मी का मौसम मतलब चमकी बुखार का डर। पर इस साल नहीं !
क्योंकि हम तैयार हैं। चमकी को एक नहीं 3 चोट मारेंगे।

अधिक जानकारी अथवा शिकायत दर्ज कराने के लिए निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर **104** (टॉल फ्री) पर संपर्क करें

निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा हेतु डॉयल करें- **102** (टॉल फ्री)

BiharHealthDepartment BiharHealthDept BiharGovtHealthDept

जीवन्त बिहार... सपना हो साकार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

अप्रैल 2024

HAPPY

Eid Al-Fitr

ईद का चांद जब नजर आए,
भाईचारा , एकता लोगों मे लाए,
आया - आया खुशियों का पैगाम
लाया,
ईद का त्योहार आया।
पहने कपड़े सारे नए,
एक दूजे को सब गले लगाएं,
बच्चे परवी सब से लिए,
सब मिलकर सवाई और शीर
खुरमा खाएं।
फितरा , जकात देते है,
समानता का पाठ पढ़ाते है,
भेद- भाव को यह मिटाता है,
तभी तो यह ईद कहलाता है।

नाम - अक्स नाज
कक्षा-10
ठाकुरगंज
किशनगंज

ToB बालमन कविता

धरती मां के आंसू

सिसक-सिसक कर धरती माता सुना रही अपनी दास्तान
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।
काट रहे हो पेड़ों को,जंगल का मंगल छीन रहे हो,
तुम तो अपनी बर्बादी का ताना-बाना बुन रहे हो।
कैसे मिलेगा प्राणवायु, ये कहां रहेंगे बेजुबान,
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।
मां की ममता को तार-तार कर दिया है तुने चोटों से,
मेरी अस्मत को उड़ा दिया तु बारूदी विस्फोटों से।
मेरे आंखों में आंसू देकर खुश ना रह सकते नादान,
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।

कुदरत ने प्यारी नदियों को पावन निर्मल जलधार दिया,
तुने उसमें दूषित पानी और कुड़ा कचरा डाल दिया।
उन जल जीवों का क्या होगा, बचेगी कैसे उनकी जान,
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।
रहने दो तुम मुझे चैन से, तुम भी रहो चैन से यार,
नहीं तो विकास के चक्कर में फिर हो जाएगा बंटाधार।
सुधर गए तुम तो दे दूंगी, फिर से तुमको जीवनदान,
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।
पेड़ लगाकर हरे-भरे धरती मां का तुम करो श्रृंगार,
पेड़ों से ही जल मिलता है, पेड़ ही जीवन के आधार।
प्रदूषण को दूर भगाकर तुम भी जग में बनो महान,
अपनी बर्बादी का गाथा लिख रहा तु क्यों इंसान।

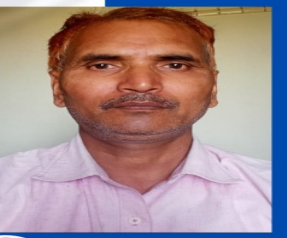

अवधेश राम (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा, भभुआ
कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

14 अप्रैल

मधु प्रिया

अम्बेडकर जयन्ती 14 अप्रैल

अम्बेडकर जयन्ती या भीम जयन्ती डॉ. भीमराव आम्बेडकर जिन्हें डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म दिन 14 अप्रैल को पर्व के रूप में भारत समेत पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिन को 'समानता दिवस' और 'ज्ञान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि जीवन भर समानता के लिए संघर्ष करने वाले अम्बेडकर को समानता और ज्ञान के प्रतीक माना जाता है। अम्बेडकर को विश्व भर में उनके मानवाधिकार आंदोलन संविधान निर्माता और उनकी प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं और यह दिवस उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। अम्बेडकर की पहली जयन्ती सदाशिव रणपिसे इन्होंने 14 अप्रैल 1928 में पुणे नगर में मनाई थी। रणपिसे अम्बेडकर के अनुयायी थे। उन्होंने अम्बेडकर जयन्ती की प्रथा शुरू की।अम्बेडकर के जन्मदिन पर हर साल उनके करोड़ों अनुयायी उनके जन्मस्थल भीम जन्मभूमि महू (मध्य प्रदेश), बौद्ध धम्म दीक्षास्थल दीक्षाभूमि, नागपुर, उनका समाधी स्थल चैत्य भूमि, मुंबई जैसे कई स्थानिय जगहों पर उन्हें अभिवादन करने लिए इकट्ठा होते है। सरकारी दफ्तरों और भारत के बौद्ध-विहारों में भी आम्बेडकर की जयन्ती मनाकर उन्हें नमन किया जाता है। विश्व के 100 से अधिक देशों में अम्बेडकर जयन्ती मनाई जाती है।

Sunday

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

14 अप्रैल

1. **अम्बेडकर जयंती–** भीमराव रामजी अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891ई. को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। बचपन में छुआछूत के कारण अनेक प्रकार के सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों, सत्याग्रहों के द्वारा पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी वर्गों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होंने अछूतों को भी हिन्दू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने का संघर्ष किया। भारत के संविधान को तैयार कर लोकतंत्र की नींव रखी। बिहार सरकार ने इस दिवस को समरसता दिवस मनाने का निर्णय लिया है।
   - **संदर्भ:** हिन्दी की पाठ्य पुस्तक **किसलय कक्षा 6, पाठ 14, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर**, संस्कृत की पाठ्य पुस्तक **अमृता भाग 2, अध्याय 11** तथा **अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 8** से जोड़कर बच्चों को बतायें।
2. **अग्निशमन सेवा दिवस–** 14 अप्रैल, 1944 ई. को मुम्बई बंदरगाह में फोर्टस्टीकेन नामक मालवाहक जहाज जिसमें रूई की गांठें, विस्फोटक एवं युद्ध उपकरण भरे हुए थे, में अकस्मात् आग लग गयी। आग को बुझाते समय जहाज में विस्फोटक सामग्री में विस्फोट होने के कारण 66 अग्निशमन कर्मी आग की चपेट में आ कर वीरगति को प्राप्त हो गये। इन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और अग्नि से बचाव के उपाय बताने के लिए देशभर में यह दिवस मनाया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को अग्निशामक यंत्र के बारे में बतायें। आग के प्रकार तथा उन्हें बुझाने में प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों/पदार्थों/युक्तियों के बारे में बतायें। नजदीकी फायरब्रिगेड कर्मियों को शुक्रिया कहें।
   - **संदर्भ: विज्ञान भाग 3, पाठ 1,** पृष्ठ 8–10 से जोड़कर बच्चों को बतायें।
3. **नेशनल डॉल्फिन डे–** डॉल्फिन को एक बुद्धिमान जलीय स्तनधारी प्राणी माना जाता है। 1990 के दशक से ही प्रति वर्ष 14 अप्रैल को डॉल्फिन के संरक्षण के महत्व पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह मनाया जा रहा है। डॉल्फिन का मनुष्यों द्वारा मछली पकड़ने वाले खेल के रूप में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में गंगेटिक डॉल्फिन के संरक्षण हेतु इसे राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है।
   - **संदर्भ:** बच्चों को **विज्ञान भाग 3, अध्याय 12,** पृष्ठ 161 तथा हमारी दुनिया भाग 2, पाठ 7 से जोड़कर चर्चा करें।
4. **अब्राहम लिंकन की हत्या का प्रयास–** अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को वाशिंगटन के 'फोर्ड थिएटर' में उस समय गोली मार दी गई, जब वे 'आवर अमेरिकन कजिन' नाटक देख रहे थे। उन्होंने अगले दिन

Madhu priya

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

प्याज

मुझमें पर्याप्त मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, फोलेट्स vitA,C ,E कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है।

पत्ता गोभी

मुझमें प्रोटीन, फाइबर,vit.K,C,B6, A फोलेट , मैंगनीज, कैल्शियम , पोटैशियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स मौजूद होते हैं।

Anu priya

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक खेलों पर जरूरी जानकारी Part-1

- पहले प्राचीन ओलंपिक खेल **776 ईसा पूर्व ग्रीक भगवान ज़ीउस के सम्मान में** आयोजित किया गए थे ।
- पहले आधुनिक ओलंपिक खेल **एथेंस, ग्रीस में 1896** में आयोजित किए गए थे ।
- ये खेल **ओलंपिया** शहर में आयोजित किए जाते थे इसलिए इनका नाम ओलंपिक खेल पड़ा ।
- **पियरे डी कुवर्तेन** को आधुनिक ओलंपिक खेलों का जनक माना जाता है ।
- अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना 1894 में पियरे डी कुवर्तेन ने की थी । इसका मुख्यालय **लुसाने, स्विटजरलैंड** में है ।
- ओलिंपिक खेलों का आदर्श वाक्य " **सिटिअस-अल्टिअस-फॉरटिअस**" **(Citius-Altius-Fortius)** है ।
- ओलंपिक प्रतीक पर पांच वलय पाँच रंगों के होते हैं, **लाल, नीला, हरा, पीला और काला** । ये वलय पांच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं । (उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका को एक महाद्वीप माना गया है ।)
- ओलंपिक ध्वज सबसे पहले एंटवर्प, बेल्जियम में 1920 के ओलंपिक खेलों के दौरान फहराया गया था । ओलंपिक ध्वज की बनावट में एक सफेद पृष्ठभूमि पर ओलिंपिक प्रतीक है ।

ओलम्पिक खेलों पर जरूरी जानकारी Part-2

- ओलिंपिक शपथ पियरे डी कुवर्तेन द्वारा लिखा गया है । एक एथलीट उद्घाटन समारोह में सभी एथलीटों की ओर से शपथ को पढ़ता है । ओलिंपिक शपथ को पहली बार 1920 के ओलिंपिक खेलों में एक बेल्जियम तलवारबाज, विक्टर बोइं ने पढ़ा था ।
- पहले उद्घाटन समारोह लंदन में 1908 के ओलंपिक खेलों के दौरान आयोजित किए गए थे ।
- उद्घाटन समारोह में एथलीटों का नेतृत्व हमेशा यूनानी टीम ही करती है । इसके पीछे मेजबान देश की भाषा की वर्णमाला के क्रमानुसार अन्य सभी टीमें चलती है । अंतिम टीम हमेशा मेजबान देश की टीम होती है ।
- ओलंपिक खेल **1916, 1940 और 1944** में दो विश्व युद्धों के कारण आयोजित नही किए गए थे ।
- महिलाओं ने पहली बार **1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों** में भाग लिया था ।
- 1896 के पहले ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक खेल में सबसे अधिक पदक **ग्रीस (47)** ने जीते थे ।
- ओलिंपिक लौ पहली बार **1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक खेलों** मे प्रज्वलित की गई थी ।

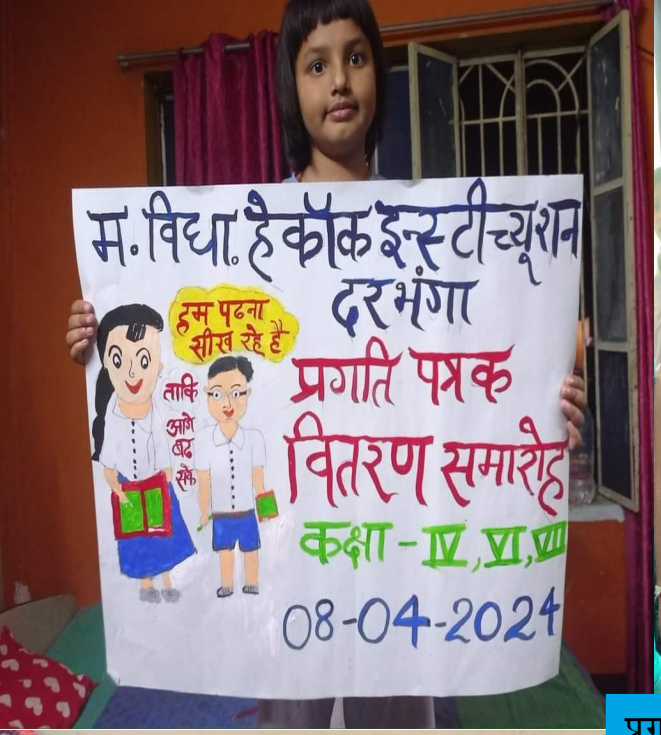

प्रगति पत्रक वितरण/दीक्षांत समारोह

हेकॉक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय दरभंगा बिहार, आ
प्रगति पत्र वितरण समारोह

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

UMS भिलौटा, भभुआ कैमूर

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

24 अप्रैल

मधु प्रिया

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल

देश में हर वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। पंचायती राज मंत्रालय राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस या राष्ट्रीय स्थानीय स्वशासन दिवस का आयोजन करता है। भारत में अप्रैल 2010 में पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस या राष्ट्रीय स्थानीय सरकार दिवस मनाया गया था। 24 अप्रैल 1993 को पंचायती राज के संविधान (73 वां संशोधन) अधिनियम, 1992 के माध्यम से संस्थागतकरण के साथ, जमीनी स्तर पर सत्ता के विकेंद्रीकरण के इतिहास में एक निर्णायक क्षण आया, जो इस दिन से प्रभावी हुआ। पंचायती राज मंत्रालय हर साल 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (NPRD) के रूप में मनाता है, क्योंकि इस तारीख को 73 वां संवैधानिक संशोधन लागू हुआ था। राजस्थान पहला राज्य था, जिसने 1959 में दिवंगत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय में पंचायती राज व्यवस्था को लागू किया था।भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने 24 अप्रैल 2010 को पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस घोषित किया था। उन्होंने उल्लेख किया कि अगर पंचायती राज संस्थाओं ने ठीक से काम किया और स्थानीय लोगों ने विकास प्रक्रिया में भाग लिया, तो माओवादी खतरे का मुकाबला किया जा सकता है।इस वर्ष राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2022 का राष्ट्रीय कार्यकम जम्मू कश्मीर के सांबा जिला अंतर्गत पल्ली पंचायत में आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है।इस वर्ष 24 अप्रैल 2023 को 13वां राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जायेगा। पंचायती राज के अन्तर्गत गाँव की ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक परिषद, जिला स्तर पर जिला परिषद् आता है। इनके सदस्यों का चुनाव जमीनी स्तर पर जनता के द्वारा किया जाता है, और स्थानीय शासन की बगडोर संभालते है।

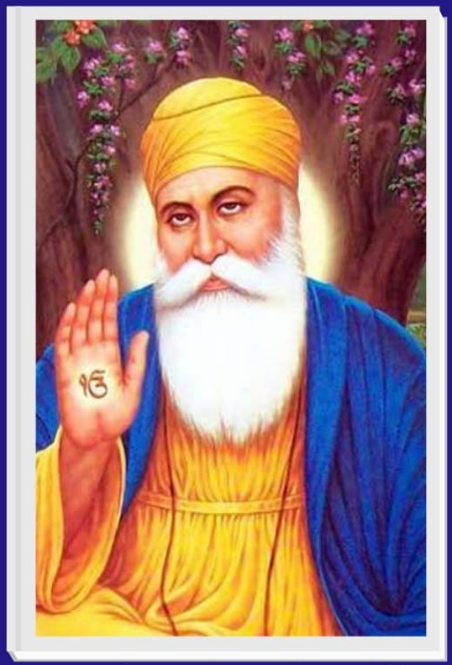

सिखों के प्रथम गुरु,अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मसुधारक, समाजसुधारक, कवि, देशभक्त और विश्वबन्धु सभी के गुण समेटे हुए

गुरु नानक जी

जी जयंती पर सादर नमन।

जन्म□-15 अप्रैल 1469 - मृत्यु- 22 सितंबर 1539

मधु प्रिया

ToB बालमन

रोचक गणित

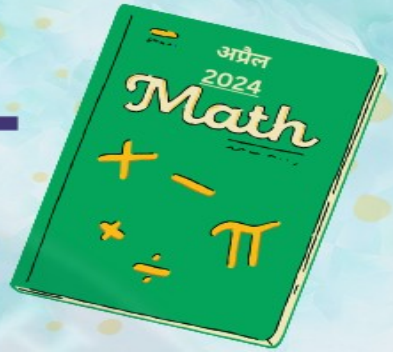

ज्यामिति

- ज्यामिति गणित की एक शाखा है जो चीजों के आकार, आकार, स्थिति, कोण और आयामों का अध्ययन करती हैं।
- यूक्लिड एक ग्रीक गणितज्ञ था, जिसे "ज्यामिति के जनक" के रूप में जाना जाता है।
- छठी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में, यूनानियों द्वारा ज्यामिति की खोज की गई।
- ज्यामिति की परिकल्पना ग्रीक शब्द जियो ("पृथ्वी") और मेट्रोन ("माप") के संयोजन से हुआ है।
- ज्यामिति की मूल बातें मुख्य रूप से बिंदु, रेखा, कोण और तल पर निर्भर करती हैं।
- ज्यामितीय आकृतियाँ दो प्रकार की होती हैं: द्वि-आयामी और त्रि-आयामी।
- 1--द्वि-आयामी आकृतियाँ लंबाई और चौड़ाई वाली बंद आकृतियाँ होती हैं जैसे कि वर्ग और आयत ।
- 2--त्रि-आयामी आकृतियाँ भी बंद आकृतियाँ होती हैं जिनमें लंबाई, चौड़ाई और ऊँचाई होती है, जैसे घनाभ और घन।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

मिशन दक्ष

समय	प्रारंभ	समाप्ति	कवरेज
08:00 बजे से 10:00 बजे तक	15 अप्रैल 2024 से	15 मई 2024 तक	कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के विद्यार्थी।

मिशन के क्रियान्वयन के निम्नलिखित चरण होंगें :-

पहला चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के ऐसे सभी विद्यार्थियों को चिन्हित करना जो :-

1. हिंदी के कुछ वाक्य धारा प्रवाह नहीं पढ़ एवं लिख सकते हैं।
2. जो मौलिक गणित में समझ न हो।
3. अंग्रेजी वर्णमाला की जानकारी का अभाव।

द्वितीय चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में, कक्षा-03 से कक्षा-08 तक मिशन दक्ष हेतु चिन्हित सभी बच्चों के लिए विशेष कक्षा एवं अन्य इच्छुक बच्चें भी विशेष कक्षा में भाग ले सकते है।

तृतीय चरण

अकादमिक सत्र (2023 - 24) की वार्षिक परीक्षा में कक्षा-05 एवं कक्षा-08 में अनुत्तीर्ण छात्रों को विशेष कक्षा ग्रीष्मावकाश के दौरान ली जाएगी।

पढ़ें बिहार, दक्ष बिहार

UHS सोनवर्षा, नुआंव

UMS LEDRI, Chand

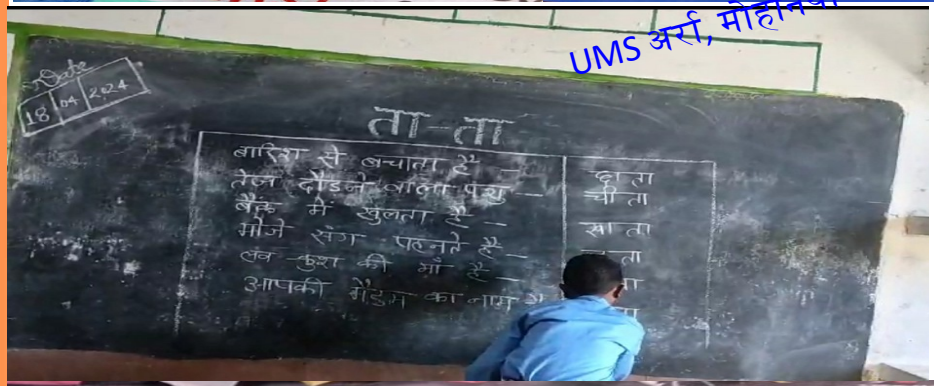

UMS अर्री, मोहनियां

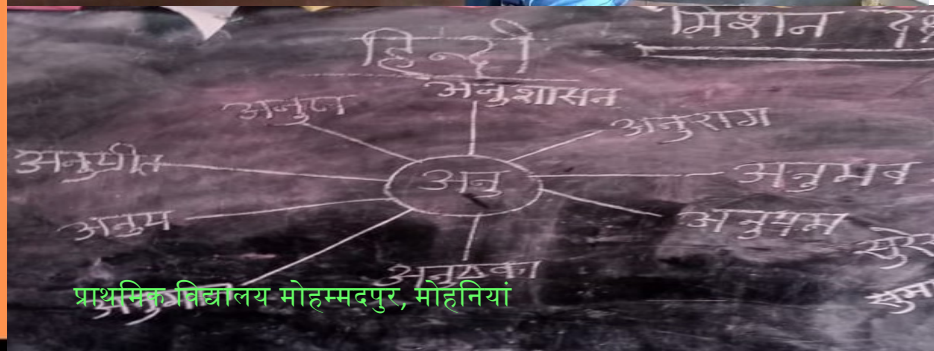

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

ToB SCIENCE TLM

पोषण कक्षा 10 बिहार बोर्ड

परपोषण

- परपोषण एक विशेष प्रकार पोषण है जिसमें जीव अपना भोजन स्वयं तैयार नहीं करता है। ऐसे जीव परपोषी कहलाते हैं।
- परपोषण या विषमपोषण तीन प्रकार के होते हैं।

1. मृतजीवी पोषण 2.परजीवी पोषण 3. प्राणीसम पोषण

मृतजीवी पोषण

वह पोषण जिसमें जीव अपना भोजन मृत एवम् सड़े गले पदार्थों से करता है। ऐसे पोषण को मृतजीवी पोषण कहते हैं।

उदाहरण - कवक एवं जीवाणु

कवक

जीवाणु

राजेश कुमार सिंह

परजीवी पोषण

परजीवी पोषण एक विशेष प्रकार का पोषण है जिसमें एक जीव दूसरे जीव के सम्पर्क में स्थायी या अस्थायी रूप से रहकर उससे अपना भोजन प्राप्त करते हैं।

भोजन करने वाले जीव परजीवी कहलाते हैं और जिस जीव के शरीर से परजीवी अपना भोजन प्राप्त करते हैं उसे पोषी कहते हैं।

परजीवी पोषण करने वाले जीव

कवक, जीवाणु

गोल कृमि, हुक वर्म, टेप वर्म, एंटअमीबा हिस्टोलीटिका

मलेरिया परजीवी

अमरबेल (पादप परजीवी)

अमरबेल (Cuscuta)

फीता कृमि (Tape Worm)

गोल कृमि (Round Worm)

हुक वर्म (Hook Worm)

Rajesh Kumar Singh

पुण्यतिथि

17 अप्रैल

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 5 सितंबर 1888 - मृत्यु - 17 अप्रैल 1975

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

23 अप्रैल

प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही,

महानायक,अन्याय विरोधी स्वतंत्रता प्रेमी

वीर कुंवर सिंह

विजयोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

मधु प्रिया

/teachersofbihar

ToB बालमंच बिहार भाग 1

श्रेया, अररिया

गोपलगंज

विकास कुमार, वर्ग 8.... राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड-बरौली, जिला-गोपालगंज

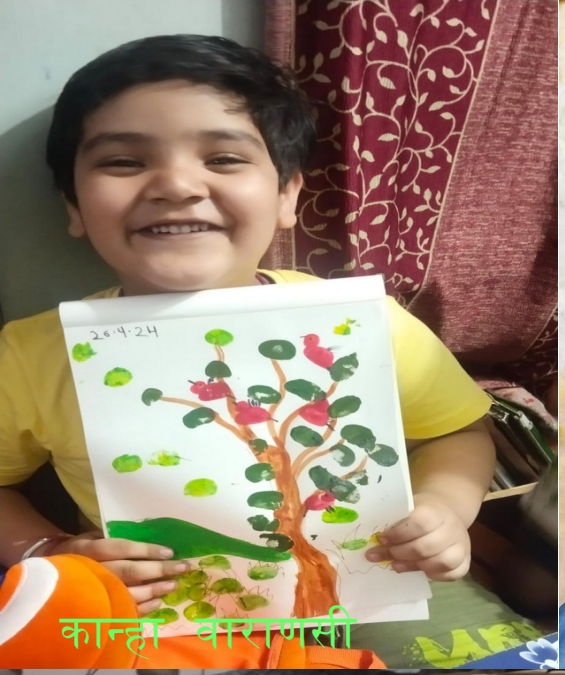

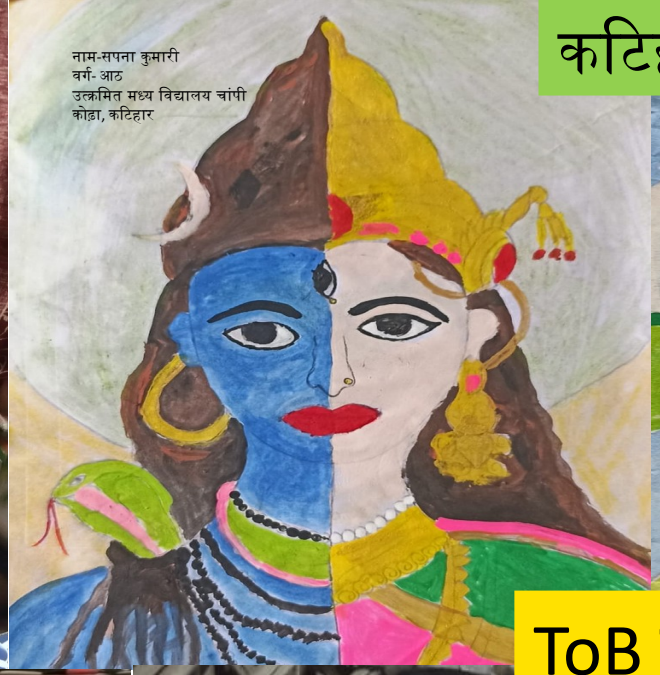

ToB बालमंच बिहार 2

कटिहार

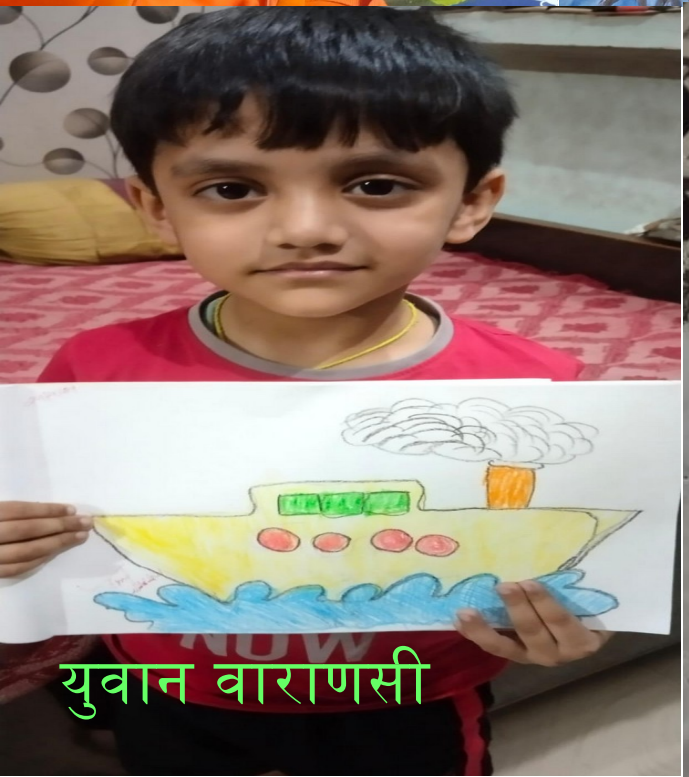

रंगोली विशेष

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

UHS सोनवर्षा, नुआंव, कैमूर

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (अप्रैल 2024)

*** TLM का नाम और विवरण :-** गुणा करने की मशीन। यह TLM जूता के घनाभाकार डब्बे से बनाया गया है जिससे गुणा की अवधारणा स्पष्ट किया जा सकता है।

*** वर्ग कक्ष/वर्ग कक्षों का विवरण जिसके लिए TLM उपयुक्त है:-** कक्षा:-2 एवं 3

*** अधिगम प्रतिफल का विवरण जिससे TLM संबंधित है:-** इसके अधिगम प्रतिफल निम्नांकित हैं-

1. बच्चे संख्याओं को गिनकर समझते हैं।
2. संख्याओं को बार बार जोड़ते हैं।
3. बच्चे गुणा की अवधारणा को समझते हैं।

***TLM को इस्तेमाल करने के तरीके:-** मान लिया जाए 5 और 4 का गुणा करना है तो सबसे पहले मिट्टी की गोली मे से 5 गोली ऊपर के पहले वाले विन्डो में डालेंगे। फिर इसी तरह बारी बारी से चार विन्डो तक डालेंगे। अर्थात पांच पांच गोली चार विन्डो में डाला जाएगा। परिणाम खिड़की खोलने पर 20 गोली बाहर निकलेगा जो 5 और 4 का गुणनफल है।

*** TLM के लिए आवश्यक सामग्री:-** जूता का एक डब्बा, बोतल का ढक्कन आदि।

*** अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जो आवश्यक हो:-** कुछ नहीं।

धन्यवाद।

TLM। निर्माणकर्ता

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

UHS रांटी, मधुबनी

UMS अर्रा, मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

UHS सोनवर्षा, नुआंव, कैमूर

UMS रांटी, मधुबनी

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

UMS सिलौटा, भभुआ

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना
EARTH
EARTH DAY

पाठ-2 टिपटिपवा
व्यक्ति
आप
माँ
पिताजी
बहन
भाई
दोस्त
Days of the Week
Sunday
Sun.
Monday
Mon.
Tuesday
Tues.
Wednesday
Wed.
Thursday
Thurs.
Friday
Fri.
Sat.
NPS तरहनी, कुदरा, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

UHS सोनवर्षा, नुआंव

UMS अर्रा, मोहनियां

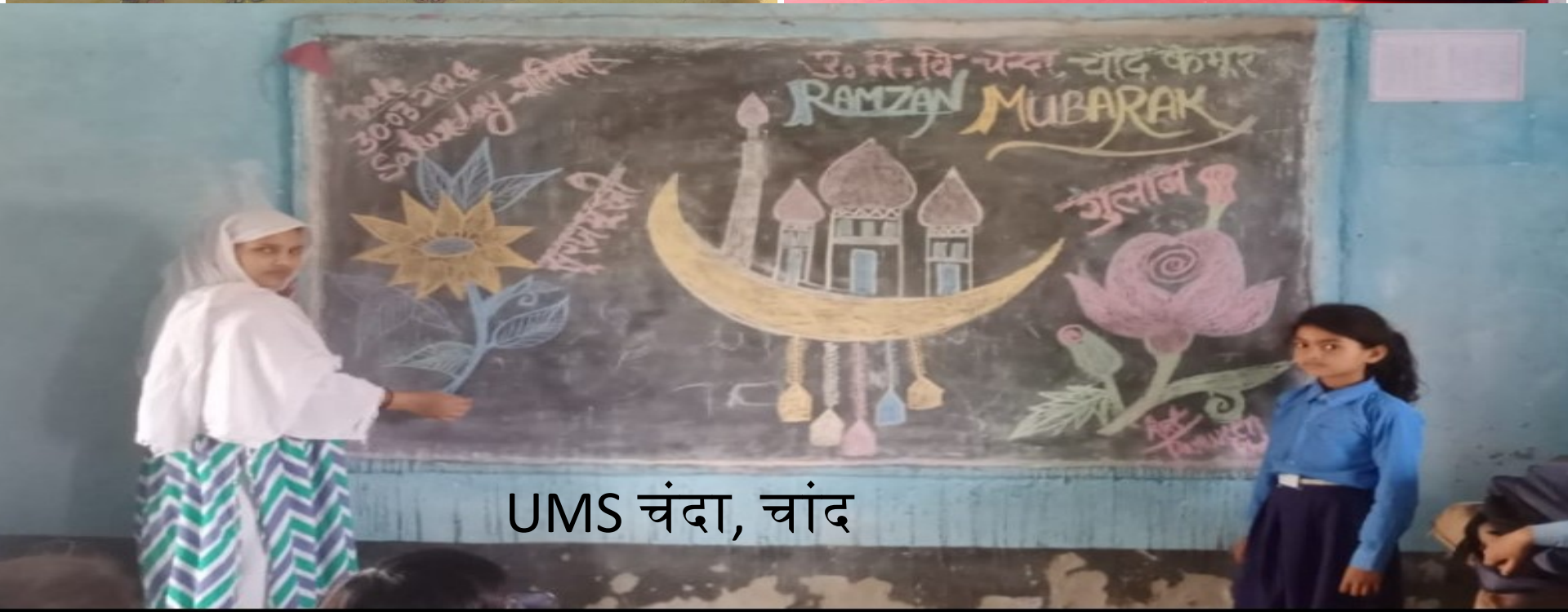

UMS चंदा, चांद

शिक्षा शब्दकोश

अनुच्छेद लेखन

किसी विषय पर थोड़े, किन्तु चुने हुए शब्दों में अपने विचार प्रकट करने के प्रयास को अनुछेद लेखन कहा जाता है। यह किसी लेख, निबंध या रचना का अंश भी हो सकता है किन्तु स्वयं में पूर्ण होना चाहिए।

News coverage

सोनभद्र एक्सप्रेस
पटना, रविवार 14 अप्रैल 2024
12

परिंदो की आवाज

खूबसूरत परिंदे!
न तुझे कोई सुनता,
न तुझे कोई समझता,
तु क्यों लोगों से है डरता।

तेरी आवाज है कितनी सुरीली,
मानो संगीत गूंज रही हो कहीं,
मनुष्यों ने अब तक तेरी आवाज न पहचानी,
तेरी सुहानी स्वर कहती है कुछ कहानी।

तिनका - तिनका जोड़ कर तु घोसला बनाती है,
धूप- छांव की फिक्र नही बस मेहनत करती जाती है,
दुख हो या खुशी हर पल तु चहकती रहती है,
निशब्द रहेकर भी तु बहुत कुछ कह जाती है।

तुम सब हो आकाश के भूपाल,
जिनको आजादी है प्यारी हर पल,
इंसानों को सिखाया तूने एक कला,
नभ को छूने वे भी निकल चला।

नाम - अक्स नाज
कक्षा- 10
ठाकुरगंज

ईद- उल- फितर

ईद का चांद जब नजर आए,
भाईचारा , एकता लोगों मे लाए,
आया - आया खुशियों का पैगाम लाया,
ईद का त्योहार आया।

पहने कपड़े सारे नए,
एक दूजे को सब गले लगाएं,
बच्चे परवी सब से लिए,
सब मिलकर सवाई और शीर खुरमा खाएं।

फितरा , जकात देते है,
समानता का पाठ पढ़ाते है,
भेद- भाव को यह मिटाता है,
तभी तो यह ईद कहलाता है।

नाम - अक्स नाज
कक्षा-10
ठाकुरगंज

अंशिका पल्लवी
पटना

चुनावी एप्प

आओ भायला एप्प को जमानो आयो रे।
मोबाइल के प्ले स्टोर ने खेल बतायो रे।।

वी एच ए एप्प डाउनलोड करणो हैं।
वोटर लिस्ट को सगलो काम एप्प सूं करणो हैं।।

छब्बीस अप्रेल तिथि भायला भूल न जाणो रे।
गली मोहल्ला में हेलो देन वोट देकर आनो रे।।

युवा वोटर बणग्या अब वोट देबां की बारी है।
एपिक साथ मे लेकर वोट देबां की तैयारी है।

दिव्यांग भाई बहना के भी सुविधा और बढ़गी रे।।
सक्षम एप्प बड़ा काम की देखो आगी रे।।

एप्प पर घर बैठे देखो बूथ कठे है भाई।
काईं काईं सुविधा होगी बूथ पर भाई।।

लोभ देवे कोई तो झांसा में कदी नीं आणो।
निर्भय होकर आपणो वोट देकर आणो।।

लोकतंत्र को उत्सव मन से सभी मनाओ।
सारा काम छोड़ के सब वोट देबां जाओ।।

शुभांगी शर्मा
कक्षा-11
पी एम श्री सेठ आनंदीलाल पोद्दार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवानीमंडी
(बाल कवयित्री)

स्वामी धैर्य इन्फार्मेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक दीपक कुमार सिन्हा द्वारा डॉ. जाकिर हुसैन, लाल बिल्डिंग प्रथम तल, बोरिंग रोड, पटना से प्रकाशित एवं अर्पणा ट्रेडर्स एवं प्रिंटर्स लंगरटोली पटना-4 से मुद्रित। प्रबंधक सह प्रधानसंपादक- दीपक कुमार दीपू, संपादक : एस के राजीव* । आर.एन.आई नं. BIHHIN 39604/82, टेलीफैक्स - 0612-2577775 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

बालमन कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच हुई प्रतियोगिता

बेहतर प्रदर्शन करनेवाले बच्चे किये गये सम्मानित

प्रतिनिधि, चांद

प्रखंड मुख्यालय में बालमन कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसमें वर्ग (1 से 5) में अरशद अली, मवि पाढी वर्ग पांच के प्रथम रहे. खुशबू कुमारी न्यू प्रावि भेरी वर्ग पांच की द्वितीय व फ्लक नाज उर्दू प्रावि करवन्दिया वर्ग दो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. वर्ग (6 से 8) में अनिता कुमारी कमवि वर्ग आठ की प्रथम रही. ओमप्रकाश कुमार उमवि बहेरिया वर्ग आठ के द्वितीय व प्रियंका कुमारी मवि पाढी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. जबकि, वर्ग (9 वीं से 12 वीं) में सोनाली कुमारी उमवि भलुहारी वर्ग नौ ने प्रथम स्थान, राधा कुमारी उमावि भरारी वर्ग नौ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया. सभी छात्रों को डिजिटल पत्रिका बालमन चांद की टीम द्वारा पुरस्कृत किया गया. बालमन के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार निराला के साथ सहयोगी सदस्य मो असलम, उदय पांडेय, प्रीति कुमारी, मीरा कुमारी, सुमन सिंह पटेल, विनिता तिवारी व पूर्व सहयोगी सदस्य मोनी कुमारी व निर्णायक मंडल में आफ्शा बेगम (उर्दू प्रावि करवंदिया) व दीपशिखा (उमवि पाढी) उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान संचालक अनामिका पटेल व शिक्षकों में कुमारी पूनम, सुनीता पांडेय, रीता विश्वकर्मा, पूनम कुमारी, मनू कुमारी, रीतू कुमारी, पूजा कुमारी, आरती कुमारी के साथ अभिभावक व बच्चे उपस्थित थे. प्रथम पुरस्कार में लंच बॉक्स, द्वितीय पुरस्कार में पानी बोतल व तृतीय पुरस्कार में बच्चों को आवश्यकतानुसार उपयोग में लाये जाने वाले किट वितरित किये गये.

बालमन कार्यक्रम के तहत पुरस्कृत बच्चे.

टीचर्स आफबिहार बालमन के अव्वल छात्रों को किया गया सम्मानित

कैमूर (ज्ञानशिखा टाइम्स)। टीचर्स आफ बिहार बालमन के द्वारा लगातार सरकारी विद्यालयों के बच्चो के लिए कार्य करते हुए उनकी प्रतिभा को सम्मानित सह प्रोत्साहित किया जाता रहा है। बालमन पूरे बिहार सहित जिला स्तर से प्रखंड स्तर पर भी प्रकाशित हो रहो है। इसी कड़ी में प्रखंड स्तर पर ज्वठ बालमन चांद प्रखंड के द्वारा टैलेंट हंट काम्पिटिशन का आयोजन कराया गया। इसमे 1-5 वर्ग के लिए रद्दी वस्तुएं से निर्मित गुलदस्ता थीम था। 6-8 वर्ग के लिए रद्दी वस्तुएं से निर्मित सौर परिवार का मॉडल थीम था।9-12 वर्ग के लिए रद्दी वस्तुएं से निर्मित चन्द्रयान मॉडल थीम रहा। प्रतियोगिता के उपरांत कन्या.म.वि. चांद पर आयोजित सम्मान समारोह मे वर्ग 1-5 में प्रथम स्थान अरशद अली, म.वि.पाढी, चांद वर्ग 5 ने प्राप्त किया। खुशबू कुमारी, न्यू प्रा.वि.भेरी, चांद वर्ग 5 को द्वितीय पुरस्कार तथा पलक नाज़, उर्दू प्रा.वि. करवन्दिया, चांद, वर्ग दो को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ग (6-8) के लिए अनिता कुमारी,क.म.वि.चांद वर्ग 8 को प्रथम पुरस्कार ओमप्रकाश कुमार,उ.म.वि.बहेरिया, चांद, वर्ग 8 को द्वितीय पुरस्कार तथा प्रियंका कुमारी,म.वि.पाढी, चांद वर्ग 3 को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ग (9-12) के लिए सोनाली कुमारी,उ.मा.वि.भलुहारी, चांद, वर्ग 9 को प्रथम पुरस्कार राधा कुमारी,उ.मा.वि.भरारी, चांद वर्ग 9 को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष मो. शफीक और अनामिका पटेल कन्या मध्य विद्यालय चांद के द्वारा किया गया। बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक (बिहार राज्य) धीरज कुमार शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर के द्वारा बताया गया कि टीचर्स आफबिहार द्वारा बिहार की शिक्षा के लिए लगातार नए नए कार्य किए जा रहे हैं। इससे शिक्षा में सुधार हुआ है। बालमन पत्रिका ज्वठ का एक प्रमुख स्तम्भ है,इसके द्वारा टैलेंट हंट काम्पिटिशन का आयोजन भी हो रहा है। टीचर्स आफबिहार के फाउंडर शिव कुमार और बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार से संपर्क कर प्रखंड स्तर पर बालमन पत्रिका का प्रकाशन पिछले 15 महीने से शुरू किया गया है। यह लगातार जारी है। इस अवसर पर बालमन चांद के मो.असलम, उदय पांडेय, प्रीति कुमारी, मीरा कुमारी, सुमन सिंह पटेल विनीता तिवारी, मोनी कुमारी, आपशा बेगम, दीपशिखा, कुमारी पूनम, सुनीता पाण्डेय, रीता विश्वकर्मा, पूनम कुमारी, मनू कुमारी, रीतू कुमारी, पूजा कुमारी, आरती कुमारी, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org